● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 चिराग पासवान ने नीतीश कुमार से की मुलाकात

04 सुनील कुमार पहुंचे शिवहर जदयू नेताओ ने किया स्वागत

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शुक्रवार, 29 मार्च 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 05, अंक: 28

LAKSHYA RAJ KIDZEE

Mission Chowk, Pataura (Infornt of Durga Mandir) Motihari Mob.- 9128562441

प्रधानमंत्री मोदी और बिल गेट्स ने एआई से लेकर जलवायु परिवर्तन तक पर की चर्चा

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने हाल ही में नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लेकर डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों सहित तमाम मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने गेट्स को बताया कि कैसे प्रौद्योगिकी ने भारत में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कई क्षेत्रों में क्रांति ला दी है। इस बातचीत का एक प्रमोशनल टीजर गुरुवार को जारी किया गया। टीजर में बिल गेट्स बताते हैं कि कैसे भारतीय न केवल प्रौद्योगिकी को अपना रहे हैं बल्कि वास्तव में आगे बढ़ रहे हैं। गेट्स ने कहा, "भारत जिन विषयों को सामने लाता है, उनमें से एक यह है कि प्रौद्योगिकी सभी के लिए होनी चाहिए।"प्रधानमंत्री मोदी ने एआई का जिक्र करते हुए कहा कि भारत में पैदा होने वाला बच्चा 'आई' (मां) भी बोलता है और 'एआई' भी बोलता है। मोदी ने गेट्स को पीएम के नमो ऐप पर फोटो बूथ का इस्तेमाल करके सेल्फी लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया। प्रधानमंत्री के कहने पर जब बिल गेट्स ने नमो एप पर सेल्फी ली तो एप का रिस्पॉन्स देखकर वह हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि यह तो कमाल है।इस बीच, बिल गेट्स के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी बताया कि कैसे उनकी सरकार महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए तकनीक ला रही है। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं साइकिल चलाना नहीं जानती थीं, वे आज ड्रोन पायलट बन रही हैं। नमो ड्रोन दीदी पहल, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के बीच आर्थिक सशक्तिकरण और वित्तीय स्वायत्तता को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का अभिन्न अंग है।

दबाव बनाना विपक्ष का चरित्र: भाजपा

न्यायप्रणाली को लेकर भाजपा ने साधा विपवक्ष पर निशाना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि इन सभी आईएनडीआई गठबंधन का चरित्र न्यायप्रणाली पर दबाव बनाना है। भाजपा ने कहा कि आईएनडीआई गठबंधन का काम झूठ बोलो, पकड़े जाओ तो विक्टिम हुड कार्ड खेलो और अगर यह भी काम न आए तो संस्थाओं पर दबाव बनाना है। गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि आज कुछ कानूनविदों और वक्ताओं ने सीजेआई को पत्र लिखा कि कैसे कुछ राजनीतिक दल न्याय प्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं। न्यायिक व्यवस्था को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस बार बार कहती है कि लोकतंत्र की हत्या हो रही है लेकिन इमरजेंसी किसने लगाई थी ?लोकतंत्र के आवरण में भ्रष्टाचार का स्वांग रचते हैं। आज साबित हो चुका है। अपने आप

को बचाने के लिए न्याय प्रणाली पर अनर्गल आरोप लगाते हैं। आईएनडीआई गठबंधन न्यायप्रणाली पर दबाव बनाने और न्यायिक व्यवस्था को बदनाम करने का बीड़ा उठा रही है। इससे चाहे पूरी दुनिया में गलत संदेश क्यों न चला जाए। इनका चरित्र उजागर हुआ है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कोर्ट को पहली बार राजनीतिक ड्रामा का अखाड़े बनाने की कोशिश की गई। कोर्ट के पावन फ्लोर को राजनीतिक नौटंकी बनाने का प्रयास किया गया जो आज पूरे देश ने देखा।

राष्ट्रपति भवन में 30 मार्च को नहीं होगा गार्ड परिवर्तन समारोह

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में भारत रत्न प्रदान करने के समारोह के कारण शनिवार (30 मार्च) को राष्ट्रपति भवन में गार्ड परिवर्तन समारोह नहीं होगा। राष्ट्रपति भवन की ओर से गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि भारत रत्न प्रस्तुति समारोह के कारण इस शनिवार (30 मार्च) को राष्ट्रपति भवन में गार्ड परिवर्तन समारोह नहीं होगा।उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति भवन में गार्ड परिवर्तन समारोह एक सैन्य परंपरा है। यह प्रत्येक सप्ताह शनिवार को राष्ट्रपति के अंग रक्षकों के एक नए समूह को कार्यभार संभालने के लिए आयोजित किया जाता है।

एनआईए की विशेष अदालत ने आतंकी साजिश मामले में चार आतंकवादियों को उम्रकैद की सजा सुनाई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की मोहाली स्थित विशेष अदालत ने गुरुवार को आतंकी साजिश मामले में चार आतंकवादियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। चारों आतंकी प्रतिबंधित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) संगठन से संबंधित हैं। एनआईए के मुताबिक, अदालत ने जिन आतंकवादियों को दोषी ठहराया और सजा सुनाई, उनमें मुख्य साजिशकर्ता कुलविंदरजीत सिंह उर्फ खानपुरिया भी शामिल है। खानपुरिया वर्ष 1990 के दशक में कनॉट प्लेस में बम विस्फोट और दिल्ली के लाल किले पर ग्रेनेड हमले सहित कई आतंकवादी मामलों में शामिल था। वह पंजाब में लक्षित हत्याओं को अंजाम देने की साजिश सहित कई आतंकवादी मामलों में भी वांछित था।

प्रधानमंत्री मोदी बोले, दूसरों को डराना–धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति

नई दिल्ली। वकीलों के चीफ जस्टिस को लिखे गये पत्र पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि दूसरों को डराना-धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। सुप्रीम कोर्ट से कार्रवाई करने का आग्रह करने वाले 600 वकीलों द्वारा प्रस्तुत पत्र पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "दूसरों को डराना-धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। 5 दशक पहले ही उन्होंने रप्रतिबद्ध न्यायपालिकार का आह्वान किया था - वे बेशर्मी से अपने स्वार्थों के लिए दूसरों से प्रतिबद्धता चाहते हैं लेकिन राष्ट्र के प्रति किसी भी प्रतिबद्धता से बचते हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि 140 करोड़ भारतीय उन्हें अस्वीकार कर रहे हैं।" उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मनन मिश्रा और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आदिश अग्रवाल सहित छह सौ वकीलों ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर शिकायत की है कि न्यायपालिका को बदनाम करने का राजनीतिक एजेंडा चलाया जा रहा है।पत्र में गहरी चिंता व्यक्त करते हुए हस्ताक्षरकर्ताओं ने दावा किया कि राजनीतिक मामलों में न्यायपालिका पर दबाव बनाने, न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने और अदालत के आदेशों को गलत ठहराने के बेतुके तर्क दिए जा रहे हैं। इसके लिए बाकायदा एजेंडा चलाया जा रहा है। पत्र में कहा गया है कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 'व्यक्तिगत और राजनीतिक कारणों से अदालतों को कमजोर करने और उनमें हेरफेर करने' का प्रयास किया जा रहा है और उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय से कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

रक्षा मंत्रालय के गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय का होगा पुनर्गठन

उभरते रक्षा विनिर्माण उद्योग को सहायता देने के लिए पुनर्गठन का फैसला

रक्षा परीक्षण और मूल्यांकन संवर्धन निदेशालय अलग से गठित किया जायेगा

नई दिल्ली। 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की दिशा में सुधार और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए) के पुनर्गठन का फैसला लिया गया है। इसका उद्देश्य गुणवत्ता परीक्षणों की गति बढ़ाना तथा निर्णय लेने में विभिन्न स्तरों पर होने वाली अनावश्यक देरी को कम करना है। ऑर्डिनेंस फैक्टरी बोर्ड (ओएफबी) का निगमीकरण करने के बाद अब पुनर्गठन होने से डीजीक्यूए की भूमिका भी बदलेगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार आयुध कारखानों के नए डीपीएसयू में निगमीकरण करने से निजी रक्षा उद्योग की भागीदारी बढ़ी है। उभरते रक्षा विनिर्माण उद्योग को सहायता देने के लिए डीजीक्यूए के पुनर्गठन की जरूरत महसूस की गई। यह संस्थान पहले से ही रक्षा विनिर्माण इकोसिस्टम में सभी हितधारकों के साथ सक्रिय विचार-विमर्श के बाद विभिन्न संगठनात्मक और कार्यात्मक सुधारों का संचालन कर रहा है। पुनर्गठन होने के बाद

संपूर्ण उपकरण, हथियार प्लेटफॉर्म के लिए सभी स्तरों पर गुणवत्ता में एकरूपता आएगी। साथ ही रक्षा परीक्षण और मूल्यांकन संवर्धन के अलग निदेशालय का भी गठन किये जाने की योजना है। स्वचालित और मानकीकृत आश्वासन प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण के साथ इस व्यवस्था से डीजीक्यूए के साथ रक्षा उद्योग की भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार होने की संभावना है। पुनर्गठित संरचना और मौजूदा कार्यात्मक सुधारों से देश में निर्माताओं का मार्गदर्शन करने के लिए भारतीय मानकों की उपलब्धता के साथ 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत स्वदेशीकरण अभियान को बढ़ावा मिलेगा।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

चिराग पासवान ने नीतीश कुमार से की मुलाकात

पटना। 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' अभियान चला रहे एलजेपीआर चीफ चिराग पासवान कुछ महीने पहले तक नीतीश कुमार के खिलाफ खड़े थे, लेकिन अब सब कुछ बदल चुका है। लंबे अरसे के बाद आज चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सीएम आवास में जाकर मुलाकात की है। मुख्यमंत्री ने चिराग पासवान को गले भी लगाया है।

मुख्यमंत्री आवास में जब नीतीश कुमार से मिलने चिराग पासवान गए तो उनके साथ बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सह उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री मंगल पांडे, राज्यसभा के जेडीयू सांसद संजय झा भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने चिराग पासवान को गले लगा कर गला शिकवा दूर करने की कोशिश की है।

पूर्णिया से एनडीए उम्मीदवार संतोष कुशवाहा ने किया नामांकन

पटना। पूर्णिया के वर्तमान सांसद संतोष कुशवाहा ने एनडीए उम्मीदवार के रूप में गुरुवार को नामांकन पर्चा दाखिल किया। मौके पर उनके साथ बिहार सरकार के मंत्री विजय चौधरी, लेसी सिंह, पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकेश्वर प्रसाद मौजूद रहे। संतोष कुशवाहा ने इससे पूर्व अपनी मां का आशीर्वाद लिया। पूर्णिया के मंदिर में पूजा-अर्चना की और इसके बाद समाहरणालय पहुंचकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी कुन्दन कुमार के समक्ष पर्चा दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के बाद कुशवाहा ने कहा कि विकास और सुशासन के नाम पर जनता के पास जाएंगे और जो काम बचा हुआ है उसको पूरा करेंगे। मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि संतोष कुशवाहा पिछले बार से भी ज्यादा वोट से जीतेंगे। पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकेश्वर प्रसाद ने कहा कि हम यह सीट बड़े अंतर से जीतेंगे और हम लोग चार सौ के पार जाएंगे। पूर्णिया के रंगभूमि मैदान में आज आमसभा का आयोजन भी किया गया, जिसमें एनडीए के बड़े नेताओं ने भाग लिया।

विवेक की जीत सुनिश्चित, चार सौ पार बनेगी मोदी सरकार: गिरिराज

नवादा। नामांकन दाखिल किए जाने के बाद गुरुवार को नवादा के श्री कृष्णा मेमोरियल कॉलेज परिसर में एनडीए की सभा का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ,सांसद रामकृपाल यादव ,सांसद शंभू शरण पटेल ने नवादा के प्रत्याशी विवेक ठाकुर की जीत का आह्वान किया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विवेक ठाकुर की सांसद के रूप में नवादा से जीत सुनिश्चित है। इस बार 400 पार मोदी की सरकार बन कर रहेगी ।उन्होंने कहा कि हर कीमत पर देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का गठन होगा । केंद्रीय गृहमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि मोदी ने देश को बहुत कुछ दिया है। इतना आज तक किसी प्रधानमंत्री ने नहीं दिया। इस कारण 80% आबादी मोदी का कट्टर समर्थक बन चुकी है। इस कारण नवादा लोकसभा

सीट से विवेक ठाकुर की जीत सुनिश्चित है। सभा को सांसद रामकृपाल यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि हर कीमत पर विवेक ठाकुर की नवादा से जीत सुनिश्चित है। पूरे देश में नरेंद्र मोदी की सरकार को स्थापित कर विकसित भारत के सपना को साकार करने के लिए ही विवेक ठाकुर को प्रत्याशी बनाया गया है। इस कारण उनकी जीत सुनिश्चित है । सांसद प्रत्याशी विवेक ठाकुर ने नवादा वासियों से अपना बहुमूल्य वोट देकर विजय बनाने का आह्वान किया है ।उन्होंने कहा कि नवादा की विकास मेरी प्राथमिकता होगी। इस अवसर पर भाजपा नेता प्रमोद कुमार चुन्नू, भोला कुंभी आदि ने भी सांसद प्रत्याशी विवेक ठाकुर का स्वागत किया।

'बिहार में 16 सीटों पर लड़ेगी AIMIM

हम चाहते थे कि I.N.D.I.A. में शामिल हों लेकिन हमें नजरअंदाज किया'

बीएनएम@पटना

असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने बिहार की 40 सीटों में से 16 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है. इसमें दरभंगा, पाटलिपुत्र, किशनगंज, मधुबनी, कटिहार, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, शिवहर, पूर्णिया, अररिया, सीतामढ़ी, काराकाट, महाराजगंज, समस्तीपुर, बेतिया और वाल्मीकि नगर लोकसभा सीट शामिल हैं।

AIMIM ने ऐलान किया है कि अगर सिवान सीट पर हिना शहाब निर्दलीय चुनाव लड़ती हैं तो उनकी पार्टी समर्थन करेगी। AIMIM ने कहा कि वो भी इंडिया गठबंधन का पार्ट बनने की मंशा जताई थी। लेकिन बीजेपा का खौफ दिखाकर माइनॉरिटी को नजर अंदाज कर रहे हैं।

अख्तरुल इमान न कहा कि आज मुस्लिम हर क्षेत्र में पिछड़ रहा है। जातीय जनगणना में भी मुस्लिमों के पिछड़ेपन की बात सामने आई है। बिहार में नौकरी पैरवी पर मिल रही है। जातीय गणना के आंकड़ों पर नजर डालें तो जिन क्षेत्रों में मुस्लिम आबादी ज्यादा है वह पिछड़ा है।

गंगा में तीन डूबे एक की मौत

पटना। राजधानी पटना के गंगा नदी में गुरुवार को स्नान के दौरान तीन दोस्त डूब गये, जिसमें एक दोस्त की मौत हो गयी जबकि दो दोस्तों ने तैर कर अपनी जान बचायी।घटना मोकामा प्रखंड के हाथीदह गंगा घाट की है। तीनों दोस्त मरांची गंगा के महादलित परिवार के रहने वाले हैं। ये लोग गंगा नदी में स्नान करने पहुंचे थे तभी गहरे पानी में जाने से तीनों लोग डूबने लगे। दो युवक तो तैरकर अपनी जान बचा लिए लेकिन एक युवक की डूबने से मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मोकामा सीओ मौके मौजूद है।

महागठबंधन में राजद के उम्मीदवार श्रवण कुशवाहा ने नवादा से किया नामांकन

पटना। लोकसभा चुनाव के लिए नवादा संसदीय सीट से महागठबंधन में राजद के उम्मीदवार श्रवण कुशवाहा ने गुरुवार को समाहरणालय पहुंचकर नामांकन किया। नामांकन के दौरान श्रवण कुशवाहा के साथ मौजूद रहे राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने नवादा से श्रवण कुशवाहा की जीत के प्रति भरोसा जताते हुए कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में एक ओर आम लोगों से जुड़े मुद्दे हैं। महंगाई, बेरोजगारी और किसानों का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि इस बार मुद्दा बनाम मोदी की लड़ाई में मोदी की हार होगी। बाहरी उम्मीदवारों के खिलाफ आम लोगों में रोष होने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों में लगातार बाहरी उम्मीदवार यहां से जीतते रहे और क्षेत्र के मुद्दे गौण रहे। इस बार के चुनाव में स्थानीय उम्मीदवार की

मांग पूरी हुई है। राजद से श्रवण कुशवाहा आम लोगों की मांग पर स्थानीय उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरे हैं। उल्लेखनीय है कि नवादा में 19 अप्रैल को पहले चरण के चुनाव में मतदान होना है। नामांकन की अंतिम तिथि 28 मार्च है।

टना उच्च न्यायालय के सहायक प्रशाखा पदाधिकारी बनी दीप्ति प्रिया

सहरसा।बनवारी शंकर महाविद्यालय इंटर संकाय के प्राचार्य डॉ पूनम कुमार वर्मा की पुत्री दीप्ति प्रिया का चयन पटना उच्च न्यायालय के सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के पद पर हुआ है। उनके चयन पर बनवारी शंकर महाविद्यालय के शाशी निकाय के सचिव प्रो कमलेश्वरी प्रसाद यादव, बनवारी शंकर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ योगेंद्र कुमार, शिक्षक प्रो जयप्रकाश झा, प्रो शोएब आलम, रामशरण यादव,डॉ सुमन कुमार झा, डॉ अरविंद कुमार झा, डॉ गजेंद्र यादव सहित शिक्षक कर्मचारियों ने भी गहरी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दीप्ति प्रिया को शुभकामनाएं दी है।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

लवली आनंद पहुंची शिवहर,एनडीए ने दिखाई ताकत

शिवहर। शिवहर लोकसभा मे इस बार टिकट जदयू के खेमे मे गयी है, जहाँ से एनडीए से उम्मीदवार बनी है, पूर्व सांसद लवली आनंद शिवहर संसदीय क्षेत्र से जदयू उम्मीदवार लवली आनंद के जीत सुनिश्चित करने के लिए के एनडीए ने गुरुवार को शिवहर में चुनावी शंखनाद किया है। संसदीय क्षेत्र के नरवारा से क्षेत्र प्रवेश करते ही कार्यकर्ताओ ने गाजे बाजे के साथ रथ पर सवार शिवहर जदयू उम्मीदवार लवली आनंद का अभिवादन किया। सैकड़ो गाड़ियों के काफिले मे समर्थको ने लगाया जिंदाबाद का नारा लगाते हुए शिवहर मंगल भवन मे एनडीए की कार्यशाला में पहुंची। एनडीए गठबंधन समर्थित जदयू नेत्री व शिवहर लोक सभा प्रत्याशी लवली आनंद को एनडीए की कार्यशाला मे जीत सुनिश्चित कराने को लेकर एक स्वर से हुंकार भरी गई है।एनडीए उम्मीदवार लवली आनंद ने कहा की शिवहर हमारा पुराना घर है,घर आए है, अच्छा लग रहा है, उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जो जिम्मेदारी दी गयी है, उसका मैं निर्वहन करती हूं,शिवहर के लोगो ने जो भरोसा किया उस पर मै खरा उतरूँगी, क्योंकि शिवहर के लोग हमेशा हमारे दुःख सुख साथ रहे है।हमारे पुत्र को भी विधायक शिवहर की जनता ने बनाया है। लवली आंनद ने महागठबंधन पे तंज कस्ते हुए कहा की एनडीए उम्मीदवार से विपक्ष पूरी तरह डर गया है, कोई पहलवान को अभी तक मैदान मे उतार नहीं पाया है। एनडीए की कार्यशाला में शिक्षा मंत्री सुनील कुमार कहा एनडीए उम्मीदवार लवली आंनद को हमलोग समर्थन देने आए हुए है,की संसदीय क्षेत्र से जदयू उम्मीदवार लवली आनंद के जीत सुनिश्चित कराएंगे। बिहार सरकार के मंत्री केदार गुप्ता, पूर्व सांसद आंनद मोहन, पूर्व मंत्री जयकुमार सिंह शिवहर जिला जदयू प्रभारी राणा रणधीर सिंह चौहान, विधायक चेतन आनंद, एमएलसी खालीद अनवर, पूर्व विधायक मोहम्मद सरफुद्दीन ने शिवहर में एनडीए की जीत होने की बात दोहराई। कार्यशाला में काफी संख्या में एनडीए के कार्यकर्ता और नेता मौजूद थे।

गुरुवार को नव विवाहिता का शव मक्का के खेत से हुआ बरामद

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के गायघाट पंचायत के रामनगर गांव से गुरुवार की सुबह हरसिद्धि पुलिस के द्वारा मक्का के खेत से एक नव विवाहिता का शव बरामद किया है। पुष्टि करते हुए थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर नवीन कुमार ने बताया कि मृतका आरती देवी 20 वर्ष रामनगर गांव निवासी रामप्रवेश साह के पुत्र अनीश साह की पत्नी थी। थाना अध्यक्ष ने बताया कि प्रथम दृष्टया मृतिका की हत्या कर उसके ससुराल वालों ने शव को मक्का की खेत में छुपा रखा था और सभी घर छोड़कर फरार हो गए थे। थाना अध्यक्ष श्री कुमार ने बताया कि शव को बरामद कर जांचोपरांत पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया है। वहीं उन्होंने बताया कि मृतक का मायका कोटवा थाना क्षेत्र के करिया फतेह टोला है। किसी की सूचना पर उसके मायके वाले आए और शव के साथ हुए पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी गए हुए हैं। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम से लौटने के बाद परिजन द्वारा आवेदन दिया जाएगा और आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। उन्होंने बताया कि परिजन के अनुसार मृतका का विवाह दिसंबर 2023 में हुआ था। अभी घटना के पीछे का कारण पूरी तरह से पता नहीं चल पाया है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि घटना का अनुसंधान जारी है।

मतभेद को लेकर की गई शांति समिति की बैठक

शांति समिति की बैठक कर समिति का किया गया गठन सभी जाति धर्म के लोगों को किया गया शामिल

पताही। थाना क्षेत्र के बोकाने काला गाँव में होली पर्व के दिन दो पक्षों के बीच हुए मतभेदों और एक दूसरे के प्रति बढ़ते वैमनस्यता को देखते हुए पकड़ीदयाल एसडीओ अविनाश कुमार , डीएसपी सुबोध कुमार ने संयुक्त रूप से बोकाने काला पंचायत स्थित गांधी पुस्तकालय के प्रांगण में पंचायत के सभी जंनप्रतिनिधीयों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं समेत हिंदू और मुस्लिम समुदाय के गंन्यमान बुद्धिजीवियों के साथ बृहस्पतिवार को बैठक कर एक समिति का गठन किया गया। बैठक में दोनों पक्षों के दलिलों सुनने के बाद श्रर्व सम्मती से निर्नय लिया गया कि पर्व हिंदू का हो या मुस्लिम का दोनों समुदायों के लोग एक दूसरे के पर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेगें। आने वाली ईद पर्व में आपसी सामंजस्य बनाकर भाईचारा का मिसाल कायम करेंगे। वही इस संबंध में डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया कि अभी चुनाव का समय है चुनाव आयोग एवं पुलिस प्रशासन के द्वारा सोशल मीडिया, इंस्ट्राग्राम, फेसबुक आदि में पैनी नजर रखी जा रही है। आप लोगों से अनुरोध है कि कोई ऐसी आपत्तिजनक पोस्ट ना करें जिससे एक दूसरे को ठेस पहुंचे सोशल मीडिया पर असमाजिक तत्वों, अफवाह फैलाने वाले लोगों को चिन्हित कर कारवाई भी किया जा रहा है। उन्होंने मौके पर दोनों पक्षों के लोगों से अपील करते हुए कहा अफवाहों से बचने की जरूरत है। एवं एक दूसरे के होने वाली पर्व में सहयोग कर आपसी भाईचारा का मिसाल कायम करें। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सम्राट जीत, अंचला अधिकारी नजमी अकरम, थाना अध्यक्ष कैलाश कुमार, बोकाने मुखिया अमृता देवी, सरपंच मतवार महतो, मुखिया प्रतिनिधि संतोष महतो, पैक्स अध्यक्ष आलोक कुमार सिंह, संजय कुमार सिंह अमरूक हक सहित सैकड़ो ग्रामीणों मौजूद थे।

अपराध जिहुली पंचायत के राजकीय मध्य विद्यालय जमुनी टोला का है मामला

विद्यालय से 24 बोरा चावल एवं बर्तन की चोरी

पताही। एक तरफ जहां होली के दिन एक दूसरे को लोग रंग गुलाल लगा रहे थे तो वही दूसरी तरफ अज्ञात चोरों ने विद्यालय में चोरी की घटना को अंजाम दिया। ताजा मामला पताही थाना क्षेत्र के जिहुली पंचायत के राजकीय मध्य विद्यालय जामुनी टोला एवं नौसर्जित प्राथमिक विद्यालय जिहुली जमुनी यादव टोली की है। यह दोनों विद्यालय एक ही जगह संचालित होता है। जहां अज्ञात चोरों विद्यालय के रसोई भंडार गृह का ताला तोड़कर विद्यालय में रखा 24 बोरा चावल, खाना बनाने वाला बर्तन का चोरी कर लिया गया। घटना के संदर्भ में विद्यालय के प्रधाननाध्यापक धर्मेंद्र कुमार झा एवं विजय साह ने बताया कि हिंदुओं का महापर्व होली को लेकर स्कूल दो दिन बंद था। जब गुरुवार को शैक्षणिक कार्य हेतु विद्यालय पहुंचा तो शिक्षक एवं रसोईया द्वारा बताया गया कि अज्ञात चोरों द्वारा रसोईया भंडार गृह का ताला काट कर 24 बोरा चावल एवं खाना बनाने वाला बर्तन चोरी कर लिया गया है। इसके बाद घटना की जानकारी स्थानीय सरपंच रितेश कुमार को दी गई। घटना की सूचना मिलते हैं सरपंच रितेश कुमार विद्यालय पहुंचे कर विद्यालय में अज्ञात चोरों द्वारा दी गई चोरी की घटना की सूचना स्थानीय थाने को दिए गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की से जांच की। इसके बाद प्रधानाध्यापक के द्वारा अज्ञात चोरों के खिलाफ स्थानीय थाने में आवेदन दिया गया है। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष कैलाश कुमार ने बताया कि जिहुली पंचायत स्थित राजकीय मध्य विद्यालय जमुनी टोला विद्यालय में चोरी की घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस को भेज दिया गया है। जांच की जा रही है। बहुत जल्द घटना का उद्भेदन किया जाएगा।

चुहड़ी गिरजाघर में पुरोहित ने धोया बारह शिष्यों के पैर

बेतिया(प.च)।मैंने जिस तरह अपने शिष्यों का पैर धोया और उन्हें प्यार किया। तुम भी अपने पड़ोसियों, भाइयों को अपने समान प्रेम करो, के संदेश के साथ पुण्य वृहस्पतिवार के अवसर पर आवर लेडी ऑफ असम्प्सन चर्च चुहड़ी में मिस्सा पूजा का आयोजन किया गया। फादर येसुदास, फादर हरमन और फादर मनोज ने संयुक्त रूप से मिस्सा बलिदान चढ़ाया। पल्ली पुरोहित फादर हरमन ने बारह चेला रंजन जोसेफ, सामुएल जैकब, विजय खालखो, रवि जेम्स, शैलेंद्र राज, प्रकाश जेम्स, यूजीन ग्रेगरी, अमित फिलिप, जेम्स कनाडिया, विनय जॉर्ज, निरंजन अलेक्जेंडर, दीपक पास्कल के पैर धोया और उन्हें गले लगाया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनरों को दिया प्रशिक्षण

निर्वाचन कार्य का प्रशिक्षण महत्वपूर्ण, इवीएम की रखें पूरी जानकारी: डीडीसी

- मोतिहारी। जिला के 125 चयनित मास्टर ट्रेनरों को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम सौरभ जोरवाल के निर्देश के आलोक में डीडीसी समीर सौरभ एवं एडीएम मुकेश कुमार सिन्हा की उपस्थिति में प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन ने संयुक्त रूप से प्रशिक्षण दिया। इस दौरान मास्टर ट्रेनरों को संबोधित करते हुए डीडीसी सौरभ ने कहा कि निर्वाचन कार्य में प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण है।इसलिए आप लोग अच्छे से प्रशिक्षण प्राप्त करें और ईवीएम की पूर्ण जानकारी रखें। मतदान के दिन मतदान केन्द्र पर भरे जाने वाले सभी तरह के प्रपत्रों की भी अच्छे से जानकारी प्राप्त करें। क्योंकि अब आगे से आप लोगों को ही पीठासीन पदाधिकारी सहित सभी मतदान पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देना है जो 1 अप्रैल से प्रारंभ होने जा रहा है।कहा कि ईवीएम संचालन की पूर्ण प्रक्रिया जैसे ईवीएम को वीवीपैट से जोड़ना, मॉकपोल कराना, ईवीएम का बैट्री बदलना, क्लोज बटन का उपयोग सहित ईवीएम प्रोटोकॉल की सभी जानकारी प्राप्त करें।मतदान के दिन मतदान केन्द्रों पर कई तरह के प्रपत्रों को भरना होता है, और इन प्रपत्रों को विहित लिफाफा में रखना होता है। कौन सा प्रपत्र किस रंग के लिफाफा में रख जायेगा इसकी जानकारी अच्छे से प्राप्त करना जरूरी है।उन्होने कहा कि मतपत्र लेखा, पीठासीन की डायरी तैयार करना, मॉकपोल का प्रमाण पत्र वोटिंग की समाप्ति पर क्लोज बटन संबंधी प्रमाण पत्र, मॉकपोल के बाद वीवी पैट से निकाली गयी पर्ची संबंधी प्रमाण पत्र जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य है। जिसके बारे में जानकारी होना जरूरी है।प्रशिक्षण से संबंधित हैण्डविल भी सभी को दिया गया।साथ ही प्रशिक्षण पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से भी दिया गया।

दलितों, गरीबों, किसानों, महिलाओं एवं युवाओं को सम्मान देने वाले का समर्थन: आशुतोष शंकर सिंह

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी गरीबों का उनका हक दिलाने वालों को दलितों को मदद करने वालों का युवाओं को रोजगार दिलाने वालों का किसानों को उनके फसल का उचित मूल्य दिलाने वालों का महिलाओं को समाज में समान अधिकार दिलवाने वालों का मैं समर्थन करूंगा। उक्त बातें सीतामढ़ी-शिवहर के युवा उद्यमी एवं बिहार में उद्योग क्रांति लाने वाले युवाओं के प्रेरणाश्रोत भाजपा के युवा नेता आशुतोष शंकर सिंह ने एक विशेष भेंट वार्ता में बताया है।आशुतोष ने बताया है कि उनके द्वारा कृषि क्षेत्र में लगाए गए एथनॉल प्लांट्स से बिहार के किसानों के फसल को उचित मूल्य मिलने से अभी से किसानों में उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है।बिहार के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के मुख्य धारा से जोड़ने के लिए हमेशा से मैं कृत संकल्पित हूं। मैं प्रयासरत हूं कि बिहार के विभिन्न जिलों की तरह भविष्य में शिवहर सीतामढ़ी जिले में भी एथेनॉल प्लांट्स लगाए जाएं। बिहार के हालिया राजनीति पर उन्होंने कहा कि भाजपा के कमल के निशान के लिए अपनी जान न्योछावर करने वालों का मैं समर्थन करता हूं। कमल के निशान को रौंदने की मंशा रखने वाले किसी भी गलत वैयक्ती का कोई समर्थन नहीं।आशुतोष शंकर सिंह ने बताया है कि बिहार राज्य के विकास के लिए मैं कृत संकल्पित हूं। मैं हमेशा से गरीबों, दलितों के चेहरे पर खुशियां लाने का कार्य किया है और आगे भी करता रहूंगा।गरीब एवं दलित समाज के बच्चों को आगे बढ़ाने वाले को मेरा समर्थन रहेगा न की दलितों के परिवार की खुशियों छीन उनके बच्चों को अनाथ वाले का।और किसी तरह चुनाव जीतने के बाद अगले 5 साल तक क्षेत्र को पिछड़ा बनाना कमीशन एवं दलाली का अड्डा बना देना। न उनकी कोई विचारधारा होती है न ही कोई उद्देश्य।भविष्य में क्षेत्र में कोई उद्योग भी नही लगाएगा ऐसे किसी जनप्रतिनिधि के छवि से ।ऐसे किसी भी व्यक्ति या उसके परिवार के किसी भी सदस्य को क्षेत्र एवं युवाओं के भविष्य के लिए मेरा समर्थन नहीं है। जनता भगवान स्वरूप होती है,सब जानती है। अपना फैसला सोच समझ कर लेगी जिससे क्षेत्र एवं परिवारजनों का भविष्य उज्ज्वल होगा।

पूर्वी चंपारण जिला को परिवार कल्याण कार्यक्रम में बेहतर उपलब्धि पर मिला 08 पुरस्कार

मोतिहारी। जिले के स्वास्थ्य कर्मियो द्वारा परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत बेहतर कार्य करने पर डीपीएम, डीसीएम, डीडीए व ईओ जीएनएम को प्रमंडल स्तर पर प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया है। डीपीसी भारत भूषण एवं पीएसआई इंडिया प्रबंधक अमित कुमार ने बताया कि अप्रैल 2023 से फ़रवरी 2024 तक 9418 महिलाओं का बंध्याकरण किया गया। जबकि स्वास्थ्य विभाग के जागरूकता के कारण 8088 महिलाओ ने निजी तौर पर बंध्याकरण कराया। निजी एवं सरकारी मिलाकर कुल 17 हजार 506 महिलाओ का बंध्याकरण किया गया।इसके साथ ही 37 पुरुषो की भी नसबन्दी की गईं।प्रसव उपरांत आइयूसीडी 8 हजार 245, आइयूसीडी 4 हजार 189, प्रसव उपरांत 367 महिलाओ का बंध्याकरण किया गया, जिसके कारण तिरहुत प्रमंडल में पूर्वी चम्पारण जिला दूसरे स्थान पर रहा। इस बेहतरीन उपलब्धि के कारण ही जिले को कुल 08 अवार्ड प्राप्त हुए है। जिले के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ श्रवण कुमार पासवान ने कहा की स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा किए बेहतर कार्य का नतीजा है की परिवार नियोजन के क्षेत्र में जिले को पहला स्थान आया है।

छात्रा का अपहरण कर गैंगरेप, फुफेरे भाई समेत चार हैवान ने मिलकर दिया घटना को अंजाम

बेतिया। नगर पुलिस ने बुधवार की शाम नगर के बसवरिया टीओपी से महज 100 कदम की दूरी पर चंद्रावत नदी के किनारे झाड़ी से एक 8 वर्षीय बच्ची का शव बरामद किया है। सूत्रों के अनुसार बच्ची का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद हत्या कर शव को छिपा दिया गया था। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और हड़कंप पहुंच गया ।हालांकि बेतिया पुलिस अधीक्षक के हवाले से जारी विज्ञप्ति में दुष्कर्म की बात से साफ इनकार किया गया है। जबकि मृत बच्ची के परिजनों ने दुष्कर्म की पुष्टि की है । बताते चले की उक्त बच्ची बसवरिया वार्ड नंबर 19 निवासी रोशनी खातून 8 वर्ष पिता हसनैन अंसारी 22 मार्च की संध्या बगल के माइकल कॉलोनी निवासी अपने फुफु गुलशन के घर अफ्तारी का सामान पहुंचाने गई थी । जिसके बाद वह गायब हो गई थी । परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद नगर थाने में इस संबंध में एक आवेदन दिया था, जिसके आलोक में नगर पुलिस तत्परता से खोजबीन कर रही थी ।अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने मृत बच्ची के फुफेरे भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ करना शुरू किया। जिसके निशानदेही पर पुलिस ने बुधवार की शाम बच्ची का शव बरामद किया और इसके आधार पर पुलिस ने तीन और युवकों को गिरफ्तार किया है । गिरफ्तार युवकों ने उक्त बच्ची की हत्या कर लाश को छुपा देने की बात स्वीकार किया है। इस मामले में बेतिया पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी विज्ञप्ति में उक्त बच्ची को बेचने की नीयत से अपहरण कर हत्या की बात बताई गई है। इस घटना के बाद पूरा बसवरिया मोहल्ला पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया है।

सुनील कुमार पहुंचे शिवहर जदयू नेताओ ने किया स्वागत

शिक्षा मंत्री ने बताया कि शिवहर लोकसभा चुनाव में जदयू कोट को मिला है। हमारे प्रत्याशी लवली आनंद है। उन्हें जीत सुनिश्चित कराने को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में आज शामिल होने आए हैं।

शिवहर। बिहार सरकार के अपनी वर्तमान शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, एमएलसी खालीद अनवर, पूर्व विधायक मोहम्मद सरफुद्दीन जदयू के प्रदेश सचिव नरेंद्र पटेल के शिवहर स्थित घर पहुंचने पर बहुत स्वागत किया गया। फूलमाला पहनाकर एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने बताया है कि होली के दिन विशेष ट्रेनिंग के कारण शिक्षकों को छुट्टी नहीं दी गई है। शिक्षा में नई क्रांति आई है। छुट्टी को लेकर कुछ मिश-स्टैंडिंग हुई है।

जदयू प्रदेश सचिव नरेंद्र पटेल ने स्वागत करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को शिवहर सीट मिलेगी इसके लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

मौके पर जदयू जिलाध्यक्ष कमलेश पांडे, लोजपा जिला अध्यक्ष विजय कुमार पांडे, महबूब आलम, मनोज कुमार साह कुशहर, राजीव यादव, वीरेंद्र साह, खलीकूर रहमान, सहित अन्य मौजूद रहे।

दस लाख की सुरक्षित जमा वाले नजरबाग़ पार्क की 17.26 लाख में बंदोदोबस्ती: गरिमा

बेतिया। बेतिया नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि गुरुवार को चार दावेदार संवेदकों में बोली लगवा कर बेतिया राज के ऐतिहासिक नज़रबाग पार्क की बंदोबस्ती की गई। कुल दस लाख की सुरक्षित जमा वाले नजर बाग़ पार्क पर 17.26 लाख की अधिकक्तम बोली लगाने वाले पुरानी गुदरी के इमरान खान इस पार्क की बंदोदोबस्ती पाने में कामयाब रहे। हालांकि बोली लगाने का दौर 71 वे राउंड तक जारी रहा। इस चक्र में सफल दावेदार के प्रतिद्वंदी रहे सिकटा शिकारपुर के मुन्ना कुमार ने 17.25 लाख तक की बोली लगा कर इमरान खान का पीछा किया। श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नगर निगम प्रशासन द्वारा विकसित यह पार्क का पर्यटन और मनोरंजन की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ बेतिया राज के ऐतिहासिक धरोहर भी है। यहां उल्लेखनीय है कि वर्षों से जारी विभागीय वसूली के प्रारूप को बदलते हुए महापौर गरिमा देवी सिकारिया की अध्यक्षता में इसकी खुले तौर पर बोली लगवाने की निविदा जारी करवाया था। इसकी बंदोबस्ती के लिए 10 लाख की सुरक्षित राशि का निर्धारित की गई थी।

राज इयोढी परिसर में स्थित पर्यटन पार्क का ठेका पाने के लिए 71वें चक्र तक चली दावेदार संवेदकों के बीच होड़

दस लाख की सुरक्षित राशि से ऊपर की बोली लगाने वाले संवेदक दावेदारों के बीच बोली लगाने की प्रक्रिया 28 मार्च को पूरी की गई। महापौर ने बताया कि नजरबाग पार्क की बंदोबस्ती पाने वाले ठेकेदार को पार्क में दस रुपया प्रति व्यक्ति से दैनिक प्रवेश शुल्क के साथ नगर निगम प्रशासन से निर्धारित दर पर मॉर्निंग और इवनिंग वॉक के लिए मासिक और वार्षिक शुल्क की भी वसूली कर सकेंगे।

स्थापना के 35 वर्षों के बाद मलाही को मिला पूर्ण थाने का दर्जा

मोतिहारी। जिले के मलाही ओपी थाना को स्थापना के 35 वर्ष बाद पूर्ण थाना का दर्जा मिल गया। अब क्षेत्र के लोगो को प्राथमिकी दर्ज कराने को लेकर गोविंदगंज व पहाड़पुर थाना का चक्कर नही लगाना पड़ेगा।अब सीधे मलाही में ही प्राथमिकी दर्ज होगी। मलाही ओपी का निर्माण 20 मार्च 1989 में उस समय किया गया था,जब मलाही से सटे गंडक दियारा में दस्युओं के आतंक कायम था और यह क्षेत्र बंदूकों कि गर्जन से गूंज रहा था और पूरा इलाका हत्या व अपहरण का केन्द्र बन चुका था। गंडक तटीय मलाही जिले का एक प्रमुख व्यवसायी केन्द्र के रूप में जाना जाता है।जिसकी सीमा प चंपारण के साथ गंडक पार गोपालगंज से भी जुड़ती है। 90 के दशक में दस्यु गिरोहों के आतंक, हत्या और अपहरण की करतूतों से उपजी भयावह स्थिति को देखते हुए गोविंदगंज के तत्कालीन निर्दलीय विधायक स्व, योगेन्द्र पाण्डेय ने समाजसेवी व व्यवसायी स्व भूदेव प्रसाद गुप्ता के खपरैल मकान में वर्ष 1989 में ही मलाही थाना कि स्थापना करायी थी। बाद में भूदेव गुप्ता ने वर्ष 2004 थाना के लिए अपने खपरैल मकान सहित 12 कट्ठा छह धुर जमीन दान स्वरुप सरकार को रजिस्ट्री कर क्षेत्र में मिसाल कायम किया था।इस कार्य में समाजसेवी विजय गुप्ता तथा मोतीलाल गुप्ता का भी सराहनीय प्रयास रहा था। अरेराज प्रखण्ड के ममरखा, ममरखा भइया टोला, चटिया बड़हरवा, चटिया चिंतामनपुर, नगदाहा का पूर्ण पंचायत,मिश्रौलिया, पंचायत के सिरनी और पुरंदरपुर गांव तथा मंगुराहा पंचायत कौवहां, दामोदरपुर गांव सहित पहाड़पुर प्रखण्ड के तेजपुरवा, मझरिया पंचायत का करीब 35 हजार लोगों का सुरक्षा व अपराध नियंत्रण का जिम्मा मलाही थाना को है।

बच्चों में बढ़ती ऑनलाइन शापिंग की आदत, कैसे कंट्रोल करें

स्नेहा सिंह

बच्चों की ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर मां-बाप बच्चों की छोटी उम्र से ही बचत की आदत डालते हुए पालें-पोसें तो आगे चल कर उनकी जिंदगी आसान बन जाएगी। पूर्वी, तुमने फिर से शापिंग की? मेरे एकाउंट से दो हजार रुपए कट गए हैं। मोना ने बेटी से पूछा। पूर्वी अभी भी फोन में शापिंग साइट्स सर्च कर रही थी। फोन में ही आंखे गड़ाए हुए उसने कहा, हां मॉम, कल की है, दो टीशर्ट खरीदी हैं। एक बेल्ट फ्री मिली है। और हां, एक जींस आज ली है। केवल 999 की।

अरे, पर तुम्हें पूछना तो चाहिए। मुझे आज लाइट बिल भरना है। अब कुछ मत खरीदना ऑनलाइन, खाते में थोड़े ही रुपए हैं। कालेज की फीस भी तो भरनी है। अभी फिल्म देखने या घूमने न जाओ तो ठीक रहेगा। जब तक कोरोना का नुकसान न पूरा हो जाए, ज्यादा पैसे मत खर्च करो। पैसा बचाना सीखो बेटा। देखो न, लाइट बिल ही तीन हजार रुपए आया है। जिस तरह एसी चलाती हो, उस तरह कोई एसी चलाता है।

इंटरनेट का भी खर्च थोड़ा कम करो। एक तो सागसब्जी कितनी महंगी हो गई है। भगवान न करे ऐसे में किसी की तबीयत खराब हो गई तो अस्पताल का खर्च फाइवस्टार होटल की तरह आता है। इसीलिए तो हमारे बड़े-बुजुर्ग कहते थे, 'जितनी चादर हो, उतना ही पैर फैलाओ।'

मोना ने पूर्वी को अपनी बात समझाने की बहुत कोशिश की कि उनकी बात बेटी के गले उतर जाए, पर पूर्वी की पिन तो मोबाइल की ऑनलाइन आकर्षक शापिंग पर ही चिपकी थी। अब इस बात में चादर कहां से आ गई? लेनी है क्या? देखो, यह कॉटन की चादर कितनी अच्छी है। आर्डर कर दूं? कलर कितना सुपर है।

न, नहीं चाहिए। वैसे भी फोटो में बहुत अच्छी लग रही है। पर आने पर रंग कुछ और ही निकलता है।

तो वापस कर देंगे।

पर बिना जरूरत के कोई भी चीज खरीदने की जरूरत ही क्या है? इस तरह रोज-रोज खरीदारी करने से तो खजाना ही लुट जाएगा। मम्मी एक काम कीजिए। पापा से कह कर मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। आप को बैलेंस देखने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

पूर्वी अपनी बात कह रही थी कि तभी उसके पापा रजनीश आ गए। उन्होंने कहा, बोलो... बोलो, मेरी राजकुमारी को क्या चाहिए? क्रेडिट कार्ड चाहिए पापा। मम्मी अपने एकाउंट से खर्च ही नहीं करने देतीं। मम्मी बहुत कंजूस है न पापा। मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। मैं ज्यादा शापिंग नहीं करूंगी। केवल कपड़ा और शूज बस?

पूर्वी को पता था कि उसकी मीठी-मीठी बातों में पापा आ ही जाएंगे। इसलिए उनके नजदीक जा कर प्यार से मस्का लगाने लगी।

पर पूर्वी मैं तुम्हें समझा रही हूं कि बिना जरूरत के शापिंग नहीं करनी है। मोना चिल्लाई।

करेगी... मेरी बेटी करेगी। मोना एक ही तो बेटी है। इसके तो शौक पूरे करने देना चाहिए न? रजनीश ने बेटी का पक्ष लेते हुए कहा। मोना ने कहा, अगर यह अभी से बचत करना नहीं सीखेगी तो पछताएगी। तुम ही इसे समझाओ। अलमारी भरी है। पैसा कमाने के लिए हम दोनों कितनी मेहनत करते हैं।

ठीक है। पर सब इसी के लिए तो है। बेटा, तुम्हारा क्रेडिट कार्ड कल बनवा देता हूं।

यस्स, अब तो मजा ही मजा। मम्मी, आप तो देखती ही रह गई। अब तो मैं खूब शापिंग करूंगी। कहते हुए पूर्वी खुशी के मारे घर से बाहर निकल गई। एक महीने बाद रजनीश ने देखा कि क्रेडिट कार्ड से पूर्वी ने दस हजार की शापिंग की थी। मोना ने कहा, इस तरह तो इस लड़की की शापिंग की लत लग जाएगी।

अब क्रेडिट कार्ड वापस लेना भी आसान नहीं था। क्रेडिट कार्ड वापस लेने पर पूर्वी को बुरा लग गया और उसने कोई गलत कदम उठा लिया तो? एकलौती बेटी को नाराज करना उचित नहीं था। इसलिए उन्होंने कोई

दूसरा उपाय अपनाने के बारे में सोचा।

रजनीश और मोना ने मिल कर एक व्यवस्थित प्लान बनाया। उन्होंने पूर्वी को बुलाया। पहले तो उसके द्वारा की गई शापिंग को देखा। तारीफ भी की। फिर एक-दो चीज के लिए पूछा भी, यह तो अपने पास थी न? यह टॉप महंगा नहीं लग रहा?

पर पूर्वी इस तरह उत्साह में थी कि उसे जरा भी पछतावा नहीं हुआ। यह देख कर रजनीश ने कहा, अगले महीने से हम तुम्हें एक ऑफर देने के बारे में सोच रहे हैं। मैं तुम्हारे खाते में पांच हजार रुपए जमा कराऊंगा। बस, पांच हजार? पूर्वी तुरंत बोल पड़ी। इसलिए मोना ने कहा, यहां ऐसे तमाम लोग हैं, जिनका इतना वेतन भी नहीं है बेटा। ऐसा मत बोलो, पांच हजार में तो पूरे महीने का राशन आ जाता है। रजनीश ने कहा, अरे सुनो तो सही, मैं तुम्हें पांच हजार दूंगा, इसमें से जितना तुम बचाओगी, उतना अगले महीने अधिक दूंगा। समझ लीजिए कि तुम ने चार हजार खर्च किए तो अगले महीने छह हजार मिलेंगे और बिलकुल न खर्च करूं तो दस हजार? हां, पर हर महीने तुम्हारी खर्च की लिमिट पांच हजार ही रहेगी। बाकी की बचत तुम्हारे खाते में जमा रहेगी। साल के अंत में उसमें से तुम्हारी पसंद की कोई चीज दिला देंगे। मोबाइल या फिर लैपटॉप?

कोई भी चीज जो तुम्हें पसंद होगी।

ओके डन। पूर्वी को यह अच्छा लगा। अगले महीने से स्कीम चालू हो गई। पूर्वी ने दो हजार बचाए। राज ने उस महीने हजार रुपए दिए। पूर्वी का उत्साह बढ़ता गया। उसकी बचत करने की आदत बनती गई और खर्च अपने आप घटता गया। आजकल ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ोंबड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर सभी किसी न किसी तरह बचत का विकल्प अपनाएं तो खर्च अपने आप घट जाएगा और अगर ऑनलाइन शापिंग की आदत बढ़ती ही जाए तो खुद ही कार्ड जमा करा दें तो अच्छा रहेगा।

पहले मां-बाप खुद ही अपना फालतू का खर्च कम करें और बच्चों में कम उम्र से ही बचत की आदत डालें, जिससे उनकी जिंदगी आसान बन जाए।

पैसे बचाना कोई 'रॉकेट साइंस' नहीं, बस न करें ये गलतियां

जब भी हम लोन लेने की सोचते हैं, एक अहम सवाल हमारा पीछा करता है। वह है क्रेडिट स्कोर...। क्रेडिट इन्फोर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड (सिबिल) एक क्रेडिट रेटिंग फर्म है, जो 550 मिलियन से अधिक उपभोक्ताओं तथा संगठनों की क्रेडिट हिस्ट्री को मैनेज करती है। इसमें वित्तीय संस्थानों, एनबीएफसी, बैंकों एवं होम फाइनैंसिंग कंपनियों सहित 2400 से अधिक सदस्य शामिल हैं। यह ऋण लेने वाले की स्थिति का अनुमान लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अधिक सिबिल स्कोर होने पर व्यक्ति या संस्थान को लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर सिबिल स्कोर कम होने पर, अगर लोन मिल भी जाए तो भी ब्याज अधिक देना पड़ता है। सही तरीके अपनाकर आप अपनी क्रेडिट रेटिंग में सुधार ला सकते हैं।

समय पर चुकाएं ईएमआई: होम लेने लेते समय आप अलग-अलग होम लोन के बीच तुलना करें। देखें कि किसमें आपको ऑफर मिल रहे हैं या फायदा होता है। होम लोन के कई फायदे होते हैं। सबसे पहले तो आपको कर में फायदा मिलता है। सरकार होम लोन पर मूल राशि एवं ब्याज पर कर में छूट देती है। अगर आप दूसरे घर के लिए लोन ले रहे हैं तो आयकर की धारा 24बी के तहत होम लोन के ब्याज की पूरी राशि पर छूट मिलती है। इसके अलावा अन्य कई फायदे भी हैं।

हालांकि जब भी होम लोन लें, आप पूरी योजना बनाकर चलें कि आपको समय पर ईएमआई चुकानी है। सोच-समझ कर फैसला लें कि आपको कितना कर्ज लेना है। आप प्री-पेमेंट की योजना भी बनाकर चल सकते हैं। इसके लिए सही बजट बनाएं, उसी के हिसाब से प्रॉपर्टी ढूंढें, फिर विभिन्न बैंकों के लोन की तुलना करें। उसके बाद ही आवेदन करें।

कैसे सुधारें क्रेडिट स्कोर: आप जब भी ऋण लें, उसे चुकाने में अनुशासन बरतें। भुगतान के लिए रिमाइंडर लगाएं। अपनी क्रेडिट लिमिट सेट कर लें। अगर लोन रिजेक्ट हो जाए तो आवेदन न करें। क्रेडिट कार्ड के बिल का भुगतान समय पर करें। एक समय में बहुत सारा लोन एक साथ न लें।

इंडेक्स फंड में निवेश: इंडैक्स फंड में निवेश करें। ये आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए फायदेमंद हैं।

खुलवा रहे हैं बच्चों का Bank Account तो ध्यान रखें

आज के समय में वित्तीय सेवाएं एक आयु वर्ग तक सीमित नहीं रह गई हैं। एक नाबालिग भी बड़ी आसानी से अपना बैंक अकाउंट रख सकता है और उसे ऑपरेट कर सकता है। 2014 के बाद से आरबीआई की ओर से 10 साल के अधिक के बच्चों को ये सुविधा दे गई है, जिसके बाद बच्चों के लिए खाता खुलवाना काफी आसान हो गया है।

बच्चों के लिए आईसीआईसीआई बैंक यंग स्टार्स अकाउंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पहला कदम और पहली उड़ान, एचडीएफसी बैंक किड्स एडवांटेज और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का युवा बैंकिंग खाता है लेकिन नाबालिगों का खाता खोलते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिसके बारे में हम इस रिपोर्ट में बताने जा रहे हैं।

बच्चे की उम्र

ज्यादातर बैंकों में नाबालिगों के लिए दो प्रकार के खाते होते हैं। एक दस साल से कम के बच्चों के लिए और दूसरा 10 साल से 18 साल के बच्चों के लिए होता है। बड़ी बात यह है कि अगर बच्चा 10 साल से छोटा है, तो माता- पिता को उसके साथ संयुक्त रुप से संचालित करना होता है।

न्यूनतम बैलेस और बैंकिंग सुविधाएं

नाबालिगों को भी बैंक सभी प्रकार की सुविधाएं देते हैं। अधिकतर बैंकों में न्यूनतम बैलेस की सीमा 2500 रुपये से लेकर 5000 रुपये है। इसके अलावा इन खातों पर सभी प्रकार की बैंकिंग सुविधाएं दी जाती हैं, जिसमें चेक बुक, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम शामिल हैं।

डेबिट कार्ड

कुछ बैंक फोटो के साथ डेबिट कार्ड जारी करते हैं, जबकि कुछ बैंक के कार्ड पर माता-पिता या फिर बच्चे का नाम हो सकता है। सुनिश्चित करें कि खाते पर एसएमएस अलर्ट सुविधा सक्रिय है, जिससे लेनदेन की बारे में जानकारी तुरंत प्राप्त हो। इसके साथ ही बच्चे को यह दिखाने के लिए एटीएम तक ले जाएं कि पैसे सुरक्षित तरीके से कैसे निकाले जाएं।

खर्च करने की सीमा

नाबालिग खाते के साथ खर्च करने की सीमा भी जुड़ी होती है। हालांकि यह बैंक पर निर्भर करती है। आप बैंक की ओर से दी गई सीमा के मुताबिक 1000 रुपये, 2,500 रुपये और 5000 रुपये तक हो सकती है। बैंक से आप एक वित्त वर्ष में माता-पिता की सहमति के बिना 50,000 रुपये और सहमति के साथ 2 लाख रुपये निकाल सकते हैं।

अर्चना शर्मा कोटा, राजस्थान

कविता : ...वो दोस्ताना

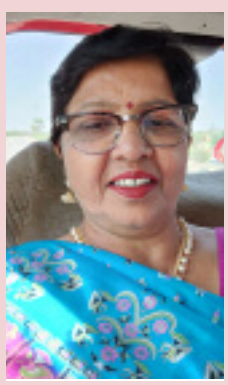

राह सुनसान,
पथरीले रास्ते,
कंटीली झाड़ियां,
घनघोर अंधेरा,
हाथ को नहीं
सूझता हाथ।।

अनजान मुसाफिर,
भयभीत मन,
धड़कता दिल,
फिसलता पांव,
गिरने से पहले ही
संभालते हाथों में
सच्ची दोस्ती का
आमंत्रण,
संभल कर,
स्वीकार कर
भाग्यशाली हो
मुस्कुराने लगी।।

मिल कर बिछुड़ गए
जैसे रात गई और
बात गई,
ऐसा दोस्त फिर
कभी मिला नहीं,
याद रहा बस
वो दोस्ताना ।।

व्यंग्य: वामन का मंतव्य!

अनूप श्रीवास्तव

भरोसा शब्द भले ही तीन अक्षरों का है लेकिन अवसर आने पर यह पूरे त्रिलोक को नाप सकता है,भले ही आप कहें कि इसके पीछे वामनी राजनीति है । 'वामन' का मन्तव्य कभी त्रिलोकेश्वर से रहा होगा, पर अब मन्तेश्वर के इर्द गिर्द सिमट चुका है ।

कहते हैं त्रिलोकी नाथ ने जब समुद्र मंथन किया था, रत्न निकलने तक सभी को उनपर भरोसा था लेकिन त्रिलोक सुंदरी और अमृत घट यानी सत्ता सुंदरी और नौकरशाही को हथियाने की नौबत आते ही देव दानवों का भरोसा दो फाड़ हो गया जिसके चलते विष्णु भगवान को भी तमाम पापड़ बेलने पड़े । उन्हें स्वयम सत्ता सुंदरी का मुखौटा लगाना पड़ा। नतीजा यह हुआ कि सत्ता पाने के लिए दोनों पक्ष प्रतिबद्ध हुए। राहु और केतु समझदार निकले उनकी भूमिका आज भी यथावत है। भरोसा उनके बीच कन्दुक की तरह इधर उधर भागता दिखाई दे रहा है।

दरअसल राहु और केतु ही आज की नौकरशाही है जो देव और दानवों को प्रोटोकाल का मुखौटा दिखाकर भरोसेमंद बनी हुई है लेकिन इसी बीच सोशल मीडिया तो प्रोटोकाल का भी बाप निकला और देखते ही देखते खुद को 'किंगमेकर'साबित करने पर तुल गया और इसे साबित करते हुए उसने एक आम आदमी को सड़क से उठाकर राजसिंहासन पर बिठा दिया, यही नहीं एक अच्छे खासे नेता को चाय वाले का चोला पहना कर सत्ता के शिखर पर पहुंचा दिया। वैसे सोशल मीडिया कोई नई ईजाद नहीं है। इसे केवल पत्रकारिता और नौकरशाही का गठजोड़, ऐसी पत्रकारिता जो हवा में गांठ लगाने में माहिर हो।

खबरों के मन माफिक कसीदे काढ़ने में सक्षम हो साथ ही सत्ता में सेंध लगाने में भी माहिर हो । पत्रकारिता का ऐसा अद्भुत मुखौटा देखकर नौकरशाही के भी कसबल ढीले हो गए। नौकरशाही को लगा अगर उसने इस मुखौटे को वाकओवर न दिया तो उनका अपना मुखौटा भी उतर जाएगा । पत्रकारिता पहले भी ऐयारी थी और आज भी है। सोशल मीडिया का मन्तव्य भी एक तरह से ऐयारी ही है।

इसे इस तरह से समझें-जब राजा भोज की दुनिया भर में तूती बोल रही थी अचानक न जाने किस दुरभि सन्धि से एक किस्सा गो ऐयार दूरदराज से प्रकट हुआ और उसने सिंहासन बत्तीसी की बत्तीस कहानियां सुनाकर राजा भोज के आस्तित्व को दीन दुनिया से बाहर कर दिया और किस्सा कहानी के अमूर्त नायक को चक्रवर्ती सम्राट के रूप में प्रतिष्ठित कर दिया। राजा भोज का बजूद भी नहीं बचा। इतिहास गया तेल लाने। सोशल मीडिया ने यह साबित कर दिया कि उसकी तथाकथित ऐयारी बड़े बड़ों को पानी पिला सकती है। नौकरशाही को भी धूल चटा सकती है। तभी से नौकर शाही के साथ नेताशाही भी नतमस्तक है ।

बस एक दूसरे का मुखौटा बचा रहे । भरोसा का भूत सिर पर चढ़ कर बोलता है, न देखता है, न सुनता है, न समझता है,बस हवा में ही गांठे लगाता रहता है। राजनीति कूटनीति के भरोसे चलती है। पहले भी कूटनीति सेठाश्रयी होती थी और ब्याजनीति के भरोसे चलती थी अब बदलते समय मे भरोसा गड्ड मड्ड हो रहा है। सरकारों के भरोसे का भी यही हाल है। एक सरकार पांच साल के भरोसे पर आती है। भरोसा टूटते ही सत्ता के खेल से बाहर होते देर नहीं लगती।

कभी सरकार गरीबों के भरोसे थी सरकार बदली तो राम भरोसे हो गयी। अब हाल यह है कि राम मंदिर बने न बने सरकार उनके नाम पर बनती बिगड़ती रहती है। खैर भरोसा मंदिर पर हो न हो,कभी वह सीबी आई के भरोसे था। अब अदालत के भरोसे पर टिक गया है जो फंस गए वे न्याय की देवी को अंधा बता रहे हैं और जो बच गए वे स्वयम को अदालत की दूरदृष्टि के कायल जता रहे हैं। अब चाहे सूखे का मुद्दा हो या डांस बार अथवा बैंकों के घोटाले का भरोसा दरकता रहता है । जनता का भरोसा कब तक किस पर टिका रहता है यह समय ही बताएगा।

धर्म तक से लोगों के भरोसे पर ग्रहण लगने की स्थिति आ गयी है। विधायिका और न्याय पालिका पर लगते ग्रहण को देखते हुए न्याय पालिका पर ही भरोसा बचा है। दूसरा और विकल्प भी क्या है। भरोसे के खम्बे में चाहे कितनी ही दरारे हों कहलाता भरोसे का खम्भा ही है। भरोसे का कन्धा न हो तो भरोसे के धंधे का क्या होगा। धंधे का खेल खेलने वालों को भरोसा बनाये रखने की जिम्मेदारी होती है। देश सेवा जब धंधे में बदल गया हो तो अंधे को भी मालुम है कि बिना मेवे के देश सेवा करने का जमाना लद गया। अगर मेवा भी सड़ा निकल गया तो भरोसे को कन्धा बदलते देर नहीं लगेगी। यह दौर ही दूसरा है। अब राजनीति भी कंधे पर बंदूक लेकर चलती है। वे दिन लद गए जब टोपी को लाठी बनाकर कोई नेता निकलता था तो बड़ी से बड़ी ताकतें उसका लोहा मानती थी। उसकी टोपी लाठी को भी मात करती थी।

अब राजनीति भले ही कितनी ही मजबूत हथियारों से समृद्ध हो गई हो पर वह भरोसे की लाठी कहीं भी नज़र नहीं आ रही है।उल्टे भरोसे पर गाँठपर गांठ लगती जा रही है । भरोसा किस घाट जाकर लगेगा ? खुदा ख़ैर करे !

सी पी 5,सेक्टर सी अलीगंज पत्रकार कालोनी लखनऊ।
मो. 9335276946

विधवा जीवन क्यूँ त्रासदीपूर्ण?

शाहाना परवीन शान

...बेवा, राँड, मृतभर्तृका व विधवा आदि नामों से जाना जाने वाला यह शब्द अपने गंभीर व सोचनीय प्रश्न लिए सदियों से समाज में कंलक के साथ जी रहा है। विधवा से तात्पर्य उस स्त्री से है जिसका पति मर चुका हो। एक महिला जिसके पति की मृत्यु चाहे कभी भी हुई हो पर उस स्त्री के माथे पर एक कलंक लग जाता है कि इसका पति मर चुका है और वह बिना पति की है। अब यह स्त्री पूर्ण रुप से बेकार है या यह भी कहा जा सकता है कि बिना पति स्त्री रद्दी है।

जिस प्रकार एक पुरुष का अपना अस्तित्व होता है उसी प्रकार एक पत्नी का भी अपना स्वयं का अस्तित्व है, फिर उसे पति के जीवन के साथ क्यों जोड़ा जाता है ? क्यों बार बार उसे यह अहसास करवाया जाता है कि जब तक पति जीवित था तब तक उसकी पहचान थी, पति के मरते ही सब कुछ खत्म ? विधवा शब्द कहकर सम्बोधित क्यूँ करें ? यदि एक स्त्री का पति मर जाता है तो उसे लोगों द्वारा विधवा कहकर क्यों सम्बोधित किया जाता है ? अरे भाई ! जब पति की अपनी पत्नी मर जाती है और वह विधुर हो जाता है तब उसे तो कोई विधुर नहीं कहता फिर एक स्त्री को क्यों बार बार विधवा कहकर कमज़ोर बना दिया जाता है ? या यह अहसास कराया जाता है कि वह अब बहुत क्षीण हो चुकी है।

यदि इसका भावनात्मक रुप देखा जाए तो विधवा शब्द एक पत्नी को पति को खो देने के बाद उसके जीवन के सबसे भारी नुकसान की ओर इशारा करता है। देश के कुछ हिस्सों में बल्कि कहना चाहिए कि शायद दुनिया भर में विधवाओं के साथ बर्बरता पूर्ण व्यवहार किया जाता है। विधवा स्त्री के लिए कपड़े भी निश्चित कर दिए जाते हैं : विधवा स्त्री के लिए कपड़े भी निश्चित कर दिए जाते हैं कि उन्हें क्या पहनना है और क्या नहीं जबकि एक विधुर पति के लिए इस प्रकार की कोई रोक -टोक देखने को नहीं मिलती कि उसे क्या पहनना है और क्या नहीं पहनना ?

विधवा घर के बाहर कदम रखती है तो लोगों के द्वारा अपने घरों व खिड़कियों से झांक कर देखा जाता है जबकि विधुर पर कोई ध्यान नहीं देता। सफेद कपड़े पहने और मायूसी में लिपटी महिलाओं के चेहरे की उदासी किसी को दिखाई नहीं देती। हाँ, दिखाई देता है तो विधवा होकर किसी गैर पुरुष से उसका बात कर लेना, विधवा होकर किसी के साथ हंस- बोल देना, विधवा होकर स्वतंत्रता के साथ जी लेना। क्यूँ ऐसा है कि विधवाओं को कोई कुछ नहीं समझता ?

अरे ! वे पहले एक इंसान हैं बाद में विधवा है। विधवा होना कोई पाप तो है नहीं फिर घृणा कैसी ? इतना भेदभाव क्यूँ ? एक किस्सा याद आ रहा है सुनंदा का विवाह पांच साल पहले दीपक के साथ हुआ था। दोनो एक बस दुर्घटना में घायल हो गये थे पत्नी बच गई और पति की कुछ दिनों के बाद मौत हो गई। सुनंदा को अभागन का नाम देकर घर से बाहर विधवा आश्रम में भेज दिया गया। कोई पूछे कि सुनंदा की ग़लती बताओ, अपराध बताओ, क्या किसी के पास इस बात का कोई उत्तर है ? अगर हो जाता विपरीत तो क्या विधुर पति को भी घर से बाहर भेज दिया जाता ? उसे भी विधुर आश्रम में रखा जाता ? पर एक क्षण के लिए यदि हम सोचें तो विधुर आश्रम तो कहीं है ही नहीं ? विधवा स्त्री की छवि शुरू ही से ऐसी बना दी जाती है कि वह दूर खड़ी सबसे अलग दिखाई पड़ती है। कोई उससे ढंग से बात नहीं करना चाहता, गले लगाना या गले मिलना तो दूर कहीं कहीं पर तो उसे घर में आने की इज़ाजत नहीं होती बल्कि उसे वैवाहित स्त्रियों से अलग रखा जाता है। उसको मांगलिक कार्यों में शामिल नहीं होने दिया जाता। यहाँ तक की अपनी बेटी के विवाह तक में विधवा मां शामिल नहीं हो सकती। किसने बनाए ये नियम ?कौन है इसका कर्ता धर्ता ? कोई पुरुष है या कोई स्त्री ?अगर कोई है तो इतना बताए कि ये नियम क्यों व कब बनाए गए ? इसमें भेदभाव क्यों किया गया ? जब एक स्त्री को त्रासदीपूर्ण जीवन जीने को बाध्य किया जाता है तो पुरुष को क्यों नहीं ? विधवा स्त्री अपने पहनावे से भीड़ में अलग दिखाई पड़ जायेगी पर विधुर पुरुष की क्या पहचान है ? विधुर को कोई कैसे पहचानेगा ?

उसे न तो इस तरह संबोधित किया जाता है और न ही वह अपनी पत्नी को खोने के बाद अपने पहनावे को बदलता है। हमारा प्रश्न आप सबसे यही है कि क्या यह आवश्यक है कि 'पत्नी' को 'विधवा' कह कर सम्बोधित किया जाए ? जबकि अपने पति को खो देने के बाद भी वह एक पत्नी बनी हुई है। सभी रूपों और औपचारिकताओं में अपने पति के नाम को अपने से चिपकाए हुए हैं। किसी भी स्त्री के घर के पते या बैंक की किताब या स्कूल आदि पर जीवित पति का तो नाम लिखा ही होता है पति के मरने के बाद भी वह नाम स्त्री से जुड़ा रहता है। जिस महिला का पति मर चुका हो उसको पति के नाम के साथ ही सम्बोधित किया जाता है उदाहरण,, पत्नी स्वर्गीय श्री....की।

यहाँ हमारे कहने का तात्पर्य केवल इतना है कि जब मरने के बाद पति पत्नी से प्रत्येक क्षेत्र में जुड़ा है तो यह विधवा शब्द का सम्बोधन क्यों ? सफेद वस्त्र क्यों ? आप सब लोग जो इस लेख को पढ़ रहे हैं ज़रा एक क्षण के लिए सोचिए और विचार कीजिए कि ऐसे में एक विधवा स्त्री को समर्थन की आवश्यकता है, सहानुभूति की नहीं। स्वतंत्र हर इंसान हैं फिर विधवा क्यों नहीं ? आजादी के साथ जीने का अधिकार सबके पास है। नारी जब स्वतंत्र होगी तभी इस समाज व संसार का मुकाबला कर पायेगी। अब उन विधवा महिलाओं के सामने दो तरह की जिम्मेदारी आ चुकी हैं पति की भी और अपनी तो हैं ही उसके पास।

विधवा नारी नहीं कमजोर,
उसको शक्तिशाली बनाना होगा।
समर्थन देंगे जब सब मिलकर
बेकार नियमों को हटाना होगा।
शक्ति का रुप समझी जाती नारी
फिर चाहे हो जैसी भी,विधवा हो या हो सधवा,
हर परिस्थिति में उसका साथ निभाना होगा।
गहरा प्रश्न आप सबसे मेरा....

अनकही कहानी – एक भूरी नारी

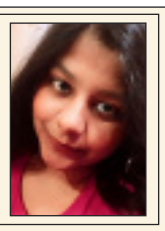

बचपन हमने देखा बड़ी मुश्किल से है,
कोई लड़की हुई है सुनके दफना देता है,
कोई लड़की हुई है सुनके जीते जी मार देता है।

बचपन से जब बाल्यावस्था आए,
कोई लड़की बाल मज़दूर का काम कर रही है,
तो कोई सडक पर झोली फैलाये एक पैसे के लिए तरस रही है।

बाल्यावस्था से यौवनावस्था जब आए,
तो देखा पढ़ने के ज़माने में छोटी बच्ची किसी का घर संभाल रही है,
कहीं वर्तन धो रही है तो कहीं कोई रास्ते पर धक्कें खा रहीं है।

यौवनावस्था से प्रजनन आयु जब आए,
जब मासिक धर्म शुरू होता है उसका दर्द जैसे प्रेग्नेंट के दर्द सा होता है,
कोई रंग रूप को देखते हैं तो कोई आपके जीवन में अपनी नाक घुसाते हैं।
समाज ताना कस्ते हैं और आजकल कहीं बाहर जाने का डर रहता है,
कहीं ससुराल मारते हैं तो कहीं कोई समझता नहीं है।

प्रजनन आयु के बाद जब प्रसव अवस्था में आए,
प्रेग्नेंट अवस्था में एक इंसान के अंदर एक नन्ही सी जान बस्ती है,
उस बीच का दर्द जो है 9 महीने का और उसके बाद प्रेगनेंसी के वक़्त
जो दर्द मानो की 206 हड्डियां टूट रही हो, जैसे लगता है।

प्रेगनेंसी के बाद जब माँ बन जाते है,तब अपने लिए कुछ नहीं
मगर सब परिवार और बच्चों के लिए केवल करती है।
इसलिए माँ के शब्द में संसार बस्ता है।

जब वही माँ बूढी हो जाती है,
तो बच्चे धक्के खाने के लिए कहीं सडक पर छोड़ देते हैं,
या तो वृद्धाश्रम में छोड़ जाते है,
कोई अनादर करता है कोई जुर्म करता है।

मरने के अवस्था में आयु जब आए,
तब न पूछने वाले भी दिखावा कर जाते हैं,
मरने के बाद जो बेटे पूछते नहीं वही सिर्फ़ 4 कंधा देने आ जाते हैं।

जीवन एक स्त्री की न कभी सरल थी न कभी है,
ज़माना है बुराइयों और अत्याचारों का ?
यहाँ एक बेटी को अच्छे से बड़ा करना भी बहुत कठिन है।

रीमा पांडेय कोलकाता

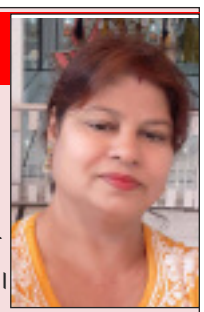

ग़ज़ल

यहाँ मुश्किल भरी राहों को अब आसान क्या करते,
पड़े थे पाँव में छाले रहें अंजान क्या करते।
अकेले ही बचा लाई मैं कश्ती के मुसाफ़िर को
मिरी हिम्मत के आगे दोस्तो तूफान क्या करते।
नहीं आसां है पढ़ लेना हरिक कागज़ के टुकड़े को
भला तस्वीर में इंसान की पहचान क्या करते
बचाया है इसे ग़म से सहारा भी न तेरा है,
भला फिर अपना दिल तेरे पे हम कुर्बान क्या करते।
कभी मांगा नहीं कुछ भी वो ऐसा ही अनोखा था,
वो था खुद्दार तो उसपे कहो अहसान क्या करते।
कभी पूरे नहीं होते मचलते ही ये रहते हैं तो
रख कर अपने दिल में हम हसीं अरमान क्या करते।
चले जाना है रीमा एक दिन सब छोड़कर सबको
सजा कर क़ीमती घर में भला सामान क्या करतें।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब और हो सकता है खतरनाक?

संजीव ठाकुर

विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं।

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज़ पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है।अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई , सऊदीअरबिया, कतर, मिस्र ,जॉर्डन,मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।

इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं।

विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं।

खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें। यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है।

यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं। दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता है।

राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें मानवीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपो गेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है। हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

स्तंभकार, चिंतक, लेखक, रायपुर

शिक्षा देने के साथ बच्चों को जीने की कला भी सिखाएं

अशोक मधुप

आज हमारा ध्यान बच्चों की शिक्षा पर है। उन्हें योग्य बनाने पर है।योग्य भी इतना की 100 में 95 अंक पाना भी स्वीकार नहीं। पेपर के निर्धारित पूरे अंक चाहिए। इन सबके बीच हम बच्चों के समग्र विकास पर ध्यान नही दे पा रहे। बच्चों की शिक्षा पर माता पिता का ध्यान ज्यादा है। बच्चों के शारीरिक विकास पर नहीं। बच्चों के मानसिक विकास पर नहीं,जबकि जरूरी है कि बच्चों को जीवन जीना सिखाया जाए।

विपरीत समय में कैसे बचे, सुरक्षित रहे, या कोई नही बता रहा जबकि बहुत जरूरत है सभी बच्चों को जीवन जीना सीखने की कला सिखाई जाए।उन्हें प्रत्येक विपरीत परिस्थिति के लिए तैयार किया जाए। उन्हें बताया जाए कि किसी आपदा या संकट में फंस जाएं तो उससे कैसे बचे।

कोलंबिया के अमेजन के जंगल में मई में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में लापता हुए चार बच्चे घटना के 40दिन बात जीवित मिले। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने यह घोषणा की। राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने शुक्रवार देर रात ट्विटर पर कहा, पूरे देश के लिए खुशी की बात है !कोलंबिया के जंगल में 40 दिन पहले लापता हुए चारों बच्चे जिंदा मिल गए हैं।

उन्होंने सैन्य और स्वदेशी समुदाय के कई सदस्यों की एक तस्वीर भी साझा की, जो भाई-बहनों लेस्ली जैकबॉम्बेयर मुकुतुय (13), सोलेनी जैकबॉम्बेयर मुकुतुय (9), टीएन रानोक मुकुतुय (4) और क्रिस्टिन रानोक मुकुतुय (1) की थी।एक बयान में राष्ट्रपति ने इसे मैजिकल डे करार दिया, और कहा ये अकेले थे, उन्होंने जीवन संघर्ष का ऐसा उदाहरण पेश किया, जो इतिहास में बना रहेगा।गौरतलब है कि एक मई को, सेसना 206 लाइट एयरक्राफ्ट अमेजॅनस प्रांत में अरराकुआरा और ग्वावियारे के एक शहर सैन जोस डेल ग्वावियारे के बीच उड़ान भरने के दौरान गायब हो गया। दुर्घटना के बाद से खोजी कुत्तों के साथ 100 से अधिक सैनिकों को खोज और बचाव कार्यों में लगाया गया है।पिछले महीने विमान का मलबा और पायलट तथा दो वयस्कों के शव मिले थे। उड़ान के शुरुआती घंटों में ही पायलट ने इंजन के फेल होने की सूचना दी और आपातकालीन अलर्ट जारी किया। इसके बाद विमान घने जंगल में जाकर क्रैश हो गया। दुर्घटना के परिणामस्वरूप पायलट और बच्चों की मां मागदालेना मुकुटुय सहित तीन वयस्कों की मौत हो गई और उनके शव विमान के अंदर पाए गए। जबकि 13, नौ, चार साल और बारह महीने के चारों बच्चे 40 दिन बाद जीवित पाए गए।

कोलंबिया के राष्ट्रपति ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मुझे उन्हें देख कर बेहद खुशी हुई क्योंकि बच्चों ने जंगल के बीच में अकेले अपना बचाव किया था। रेस्क्यू टीम को बच्चों के पास से कुछ फल मिले हैं। बता दें कि चारों बच्चे आपस में भाइ बहन है। इन बच्चों ने खुद के लिए झाड़ियों का छोटा एक घर भी बना लिया था। इस घर में ये चारों एक साथ पाये गए। खुद को जीवित रखने के लिए इन बच्चों ने 40 दिन तक घने जंगल में पेड़ों से फल तोड़कर खाए।सर्च डाग ने इनके गिरे फल से ही इनका पता लगाया।हालाकि चालिस दिन में ये बच्चे बहुत कमजोर हो गए थे। इन बच्चों के दादा फिडेंशियो वैलेंशिया ने बताया कि दुनिया में कभी कोई बच्चा इतने मुश्किल हालात में जिंदा रहना जानता है तो वह वह मुकुतुय परिवार का हो सकता है। इन चारों में दो बड़े बच्चे लेस्ली और सोलेनी जंगल में जिंदा रहने वाली कला से बखूबी वाकिफ थे। उन्होंने बताया हुई तोतो कबीले के सदस्य बहुत कम उम्र में ही शिकार करना,मछली पकड़ना और खाने पीने का सामान जमा करना सीखने लगते हैं।

कोलंबिया के मीडिया से बात करते हुए इन बच्चों की चाची दमारिस मुकुतुय ने बताया उनके परिवार के बच्चे जब बड़े हो रहे होते हैं, तो वे खानदान के दूसरे लोगों के साथ जिंदा रहने का खेल खेलते हैं। उन्होंने अपना बचपन याद करते हुए कहा कि जब हम सब बचपन में खेल खेलते थे तो हम छोटे-छोटे तंबू बनाया करते थे। उन्होंने बताया कि 13 साल की लेस्ली को पता था कि कौन से फल नहीं खाने हैं क्योंकि जंगल में बहुत से फल जहरीले मिलते हैं। लेस्ली को छोटे बच्चे का ख्याल रखना भी अच्छी तरह आता था. दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे से लेस्ली ने फैरून नाम का एक तरह का आटा भी खोज निकाला. जब तक यह आटा रहा तब तक यह बच्चे इसी पर गुजर करते रहे. बच्चों की तलाशी अभियान में हिस्सा लेने वाले हुई तूतो समुदाय के बुजुर्ग एडमिन पाखी ने बताया कि आटा खत्म होने के बाद चारों बच्चे जंगली फल के बीज खाने लगे. इन्हीं बचे मिले फल से बच्चों की खोज हुई।

बच्चों के दादा कहते हैं कि मुकुतुय परिवार के बच्चों को बचपन से ही विपरीत परिस्थिति में जंगल में आदमी के जीने की कला सिखाई जाती है। कोलंबिया में मुकुतुय परिवार को यह कला सिखाई जाती है किंतु हिंदुस्तान में तो प्रायः सरकारी स्कूल के कक्षा तीन से लेकर कक्षा आठ तक सारे बच्चे ये कला सीखते हैं। ये शिक्षा है स्काउट की। इसमें स्काउट (लड़के)/ गाइड (लडकियों) को बताया जाता है कि जंगल में फंसने पर पेड़ पौधों की छाल से कैसे रोटी बनानी है। तवा ना होने पर भी पत्थर पर कैसे रोटी को सेकनी है। बिना माचिस कैसे आग जलानी है। वन में रास्ते पर चलते निशान लगाते चलना है कि पीछे आने वाले को सुविधा रहे। बिछड़े साथियों की टीम के लिए किस तरह का इशारा करना है। जंगल में जरूरत पर रस्सी से कैसे पुल तैयार करना है। मुसीबत में फंसे साथी की कैसे मदद करनी है।एक वाक्य में इन्हें जिम्मेदार और आदर्श नागरिक बनना सिखाया जाता है। स्काउट/गाइड आंदोलन का उद्देश्य युवाओं के शारिरिक, बौद्धिक, समाजिक, भावात्मक और आध्यात्मिक विकास में मदद कर उन्हें स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए एक जिम्मेदार नागरिक बनाना है।

किंतु जब से प्राइवेट क्षेत्र में शिक्षा का चलन बढ़ा तब से यह सब खत्म हो गया। सीबीएसई/आइसीएसई शिक्षा में नंबर ज्यादा आने से बच्चों के अभिभावकों का बच्चों से ज्यादा उनकी पढ़ाई पर ध्यान रहने लगा। उनका दबाव रहता है कि बच्चे ज्यादा से ज्यादा नंबर लाएं। इसीलिए स्कूल के बाद ट्यूशन पढ़ने का चलन जोर पकड़ गया। आज की प्राइवेट शिक्षा में छोटी क्लास से लेकर इंटर तक का बच्चा पढ़ाई की मशीन बनकर रह गया। स्कूल में आठ घंटे लगाने के बाद बच्चों को सभी सब्जेक्ट की ट्यूशन पढ़ने हैं। चार सब्जेक्ट की ट्यूशन के लिए चार घंटे चाहिए। एक टयूशन से दूसरे टयूशन तक जाने के लिए बच्चों को लगभग तीन से चार घंटे लगते हैं। इस तरह से आज के बच्चे और किशोर 15 से 16 घंटे पढ़ाई के लिए तैयार होने और पढ़ाई पर लगते हैं। इसके बाद भी मां-बाप का दबाव रहता है कि स्कूल और टयूशन का होमवर्क करना है। इतना सब होने के बाद बच्चे और किशोर को खेलने के लिए और अपने व्यक्तिगत विकास के लिए समय नहीं मिलता। आज के मां-बाप का इस बच्चे के व्यक्तिगत विकास पर उनका ध्यान नहीं उनका जितना जोर बच्चों की पढ़ाई पर है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संजय 'तल्ख़'

ग़ज़ल

पुरखौफ़ कमसिनी का मज़ा हम से पूछिये
उस्ताद की छड़ी का मज़ा हम से पूछिये।।

शाइर भी बन गये हैं बने फ़लसफ़ी भी हम
बर्बाद ज़िंदगी का मज़ा हमसे पूछिये ।।

होता नहीं है इस में ज़माने का डर कोई
बेगम से आशिक़ी का मज़ा हम से पूछिये।।

मानो न मानो मय की ये लज़्ज़त बढ़ाएगी
शिद्दत की तिश्नगी का मज़ा हम से पूछिये।।

अपने ग़मों की सोच के हम ख़ुद ही हँस पड़े
हल्की सी बे-ख़ुदी का मज़ा हम से पूछिये ।।

मंदिर में सुब्ह शाम की ड्यूटी से बच गए
यानी कि क़ाफ़िरी का मज़ा हम से पूछिये।।

इस इब्तिदा-ए-इश्क़ से पहले के दौर में
अंदाज़-ए-बरहमी का मज़ा हम से पूछिये।।

पाबंदियाँ अरूज़ की चूल्हे में डाल कर
बे-बहर शाइरी का मज़ा हम से पूछिये ।।

आँसू हमारे साफ़ न दिख पाएँ 'तल्ख़' को
धुंधली सी रौशनी का मज़ा हम से पूछिये।।

अशरफ याकूबी

ग़ज़ल

लब चुप हुए तो दीद-ए-तर बोलने लगे,
गूंगे थे जितने ज़ख़्मे जिगर बोलने लगे।

हम भी ज़बां संभाल करते हैं गुफ्तगू,
जब से हमारे नूरे नज़र बोलने लगें।

ऐसा बनाओ बहुत के ज़माने के सामने,
आज़र तुम्हारा दस्ते हुनर बोलने लगे।

पहले खिलाफे जुल्म तो वो बोलते न थे,
क्यूं आज हो के सीना सिपर बोलने लगे।

कुछ ऐसा एहतमाम किया जाए जश्न का,
दीवार बोलने लगे दर बोलने लगें।

क्या मसलेहत पसंदी उन्हें रास आ गई,
रख कर किसी के पांव पे सर बोलने लगे।

अशरफ तुम्हारी शायरी का यह कमाल है,
लफ़्ज़ों के सारे ज़ेरो ज़बर बोलने लगे।

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए डाइट में शामिल करें ये 5 फूड्स

आजकल हर उम्र के लोगों में आंखों की समस्या हो रही है। ज्यादा समय टीवी, मोबाइल, लैपटॉप स्क्रीन पर बिताते हैं, जिससे आंखें बुरी तरह प्रभावित होती हैं। इससे आंखों से संबंधित कई समस्याएं होती हैं, जैसें- आंखों में जलन, आंखों से पानी आना आदि। अगर आप लगातार 8-10 घंटे स्क्रीन पर काम करते हैं, तो आंखों की रोशनी कमजोर हो सकती है, लेकिन खानपान में आप कुछ चीजों को शामिल कर आंखों की रोशनी को बरकरार रख सकते हैं। आइए जानते हैं, आंखों की रोशनी के लिए डाइट में आप किन चीजों को शामिल कर सकते हैं।

1.आंवला है काफी फायदेमंद

आंखों के लिए आंवला वरदाना माना जाता है। इसमें विटामिन-सी और एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो आंखों को स्वस्थ रखने में मददगार होते हैं। आप आंखों की सेहत के लिए डाइट में आंवला शामिल कर सकते हैं। चाहें तो आप आंवले का जूस पी सकते हैं या इसका मुरब्बा भी खा सकते हैं।

2.बादाम खाएं

बादाम में विटामिन-ई और एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। यह आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसके लिए आप भीगे हुए बादाम का सेवन कर सकते हैं। रात में बादाम को भिगो दें, सुबह इसे छील कर खा सकते हैं।

3.गाजर खाएं

गाजर आंखों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद बीटा-कैरोटीन आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद करता है।

4.मछली खाएं

मछली का सेवन आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आंखों के लिए काफी फायदेमंद होता है। आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए आप सालमन फिश खा सकते हैं। यह ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होता है। एक्सपर्ट के अनुसार, आपको हफ्ते में दो बार मछली का सेवन करना चाहिए।

5.हरी सब्जियों का सेवन करें

आंखों की रोशनी बरकरार रखना चाहते हैं, तो डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां शामिल कर सकते हैं। ये आयरन और पोषक तत्वों से

भरपूर होती हैं, जो आंखों के लिए बहुत ही जरूरी हैं।

चेहरे को ग्लोइंग बनाने के लिए लगाएं नारियल के दूध के 3 फेस पैक

नारियल पानी के फायदे के बारे में, तो आपने कई बार सुना होगा लेकिन क्या आप जानते हैं कि नारियल का दूध भी स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता हैं। नारियल का दूध नैचुरल होने के साथ चेहरे की कई कई परेशानियों को आसानी से दूर करता हैं।

कई लोग स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए कई तरह की चीजों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन कई बार ये चीजें स्किन को सूट नहीं करती। वहीं नारियल के दूध नैचुरल होने के कारण हर किसी स्किन टाइप पर सूट हो जाता हैं। नारियल के दूध के फेस पैक स्किन को ग्लोइंग बनाने के साथ चेहरे की रंगत को भी निखारता है। ये फेस पैक घर पर आसानी से बनाए जा सकते हैं।

1. नारियल का दूध और टमाटर का फेस पैक

सामग्रीः- 1 टमाटर रस, 2 चम्मच नारियल का दूध

फेस पैक बनाने का तरीका

नारियल का दूध और टमाटर का फेस पैक बनाने के लिए टमाटर को मिक्सी में पीस लें। अब इसमें नारियल का दूध मिलाकर गाढ़ा मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को फेस पर 15 से 20 मिनट तक लगा के रखें। उसके बाद नॉर्मल पानी से वॉश करें। ये पैक स्किन की रंगत को निखारने के साथ टैनिंग को हटाने में भी मदद करता है।

2.बादाम और नारियल का दूध फेस पैक

सामग्रीः- 5 बादाम, 1 चम्मच शहद
2 चम्मच नारियल का दूध

फेस पैक बनाने का तरीका

बादाम और नारियल का दूध फेस पैक बनाने के लिए बादाम को रातभर के लिए भिगो दें और इनका पेस्ट बनाएं। अब इस पेस्ट में शहद और नारियल दूध को मिलाकर गाढ़ा मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण को चेहरे और गर्दन पर

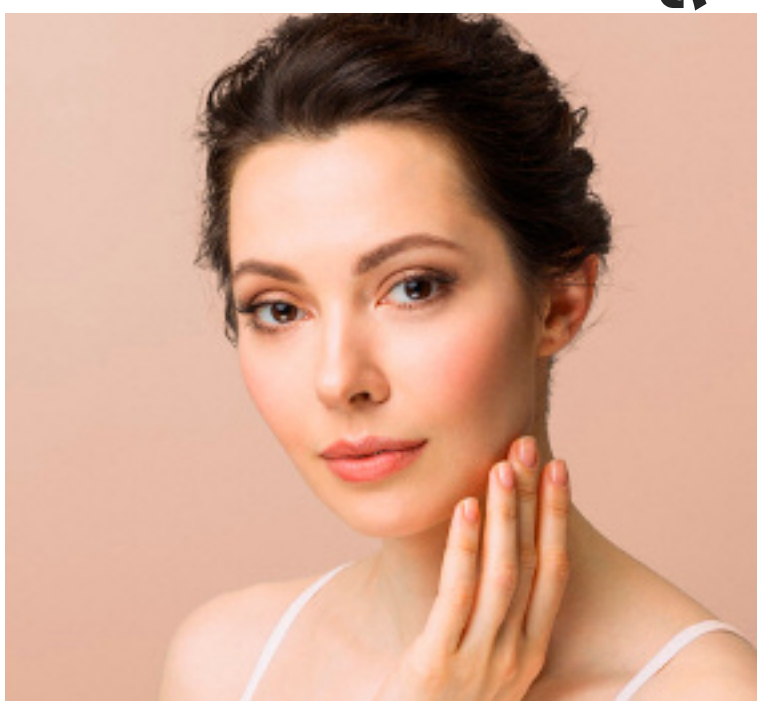

10 से 15 मिनट के लिए लगा के रखें। उसके बाद नॉर्मल पानी से चेहरे को वॉश करें। ये फेस पैक चेहरे को ग्लोइंग बनाने के साथ दाग-धब्बों को भी कम करने में मदद करता हैं।

3. ओट्स और नारियल के दूध का फेस पैक

सामग्रीः- 1 चम्मच ओट्स, 2 से 3 चम्मच नारियल का दूध

फेस पैक बनाने का तरीका

ओट्स और नारियल के दूध का फेस पैक बनाने के लिए ओट्स का पाउडर बना लें। अब इस पाउडर में नारियल का दूध मिलाकर गाढ़ा मिश्रण तैयार करें।

अब इस मिश्रण को चेहरे पर 5 से 10 मिनट तक लगा के रखें। उसके बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से वॉश करें। ये पैक स्किन की अंदरूनी सफाई करके स्किन को ग्लोइंग बनाने में मदद करेगा।

ये सभी पैक स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। लेकिन ध्यान रखें इनको लगाने से पहले पैच टेस्ट अवश्य करें। अगर स्किन पर कोई ट्रीटमेंट कराया हैं, तो अपने ब्यूटी एक्सपर्ट से सलाह करने के बाद ही इस पैक का इस्तेमाल करें।

पेट दर्द से लेकर माइग्रेन के दर्द तक, ये हैं हींग के कमाल

भारतीय खानों में हींग का उपयोग खूब किया जाता है। इसका स्वाद ज़रा तेज़ ज़रूर होता है, लेकिन इसके फायदे अनगिनत हैं। खाने में इसे मिलाने से पाचन आसान होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हींग पाचन दुरुस्त करने के अलावा भी कई काम करता है। यह पेट में गैस से लेकर गंभीर माइग्रेन और यहां तक कि कीड़े के काटने का भी इलाज कर देता है।

बच्चों में गैस की समस्या का समाधान करता है

शिशुओं में गैस की समस्या को कम करने के लिए इससे अच्छा उपाय और कोई नहीं है। इस जांचे और परखे उपाय को सदियों से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके लिए एक से दो चम्मच गुनगुने पानी में चुटकी भर हींग डालें और फिर बच्चे की नाभी के आसपास उंगलियों की मदद से लगाएं। इससे छोटे बच्चों में गैस की समस्या तुरंत ठीक हो जाती है।

सांस से जुड़ी तकलीफों के इलाज के लिए

हींग में एंटीवायरल और एंटीइंफेक्शन गुण होते हैं। इसलिए इसका उपयोग अस्थमा, ब्रॉन्काइटिस, सूखी खांसी और ज़ुकाम को ठीक करने के लिए किया जा सकता है। तुरंत आराम पाने के लिए आधा चमच हींग पाउडर और सोंठ में दो चम्मच शहद मिला लें। दो से तीन दिन तक इस मिक्सचर को खाएं, तो आपको सांस की तकलीफों से जल्द आराम मिल जाएगा।

दांत दर्द में तुरंत आराम

जिस दांत में दर्द है, वहां और आसपास के मसूड़ों पर चुटकी भर हींग लगा लें। दर्द में राहत पाने के लिए दिन में इस उपाय को 2 से 3 बार करें।

कान दर्द में फायदेमंद

सर्दी के मौसम में ठंड लग जाने से कान में दर्द कई बार हो जाता है। ऐसे में इयर ड्रोप्स के अलावा आप घरेलू उपचार पर कर सकते हैं। हींग में एंटीवायरल और एंटीइंफेक्शन गुण पाए जाते हैं, जो कान के दर्द में आराम देने का काम करते हैं। इसके लिए एक बर्तन में दो चम्मच नारियल के तेल में चुटकी भर हींग डालकर हल्की आंच पर गर्म कर लें। जब ये गुनगना हो तब इसकी कुछ बूंदें अपने कान में डालें। इससे आपको तुरंत राहत मिल सकती है।

सिर दर्द में आराम

सिर दर्द जब परेशान कर रहा हो, तो आप हींग आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए

हल्की आंच पर पैन रखें और उसमें एक से दो कप पानी गर्म कर लें। अब इसमें चुटकी भर हींग डालें और 10-15 मिनट के लिए गर्म होने दें। जब पानी की मात्रा थोड़ी कम हो जाए, तो गैस को बंद कर दें।

तेज़ सिर दर्द से छुटकारा पाने के लिए दिनभर इस पानी को पिएं। इसके अलावा आप हींग में गुलाब जल मिलाकर इसका पेस्ट भी तैयार कर सकते हैं और फिर इसे माथे पर लगा सकते हैं। इससे भी आराम मिलता है।

कीड़े या सांप के काटने पर

हींग सिर्फ खाने में ही हेल्दी नहीं होती, बल्कि कीड़ों या फिर सांप के काटने का भी इलाज कर सकती है। दादी मां के निस्खों के अनुसार, हींग के पाउडर में थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को ज़खम पर लगा लें और सूखने दें। जब सूख जाए, तो निकाल दें।